ओम महत्व, लाभ व ईश्वरीय सन्देश :

ओम समस्त शक्तियों का जोड़ व स्त्रोत है, ब्रह्माण्ड की ध्वनि है । यह बीज मंत्र है पूरी सृष्टि का । सभी मन्त्रों की शुरुआत ओम से होती है । इसलिए ओम सिर्फ पवित्र ध्वनि ही नहीं बल्कि अनंत शक्ति का प्रतीक है । ओम के बिना किसी घर की पूजा नहीं होती । कहते हैं कि बिना ओम के सृष्टि की कल्पना भी नहीं हो सकती । माना जाता है कि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड से हमेशा ओम की ध्वनि निकलती है । ओम कोई शब्द नहीं, शब्द के तो अर्थ होते हैं यह अर्थातीत है । ओम है अनाहत याने कोई भी आहत के बिना पैदा हुआ नाद, स्वर भी नहीं कहेंगे । इसे अनहद नाद भी कहते हैं जिसका कोई हद नहीं जो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में यह अनवरत जारी है शरीर के भीतर भी और बाहर भी जिसको सुनने से आत्मा शान्ति महसूस करती है । ओम का जाप जब अजपा होकर भीतर गूँजने लगता है तब बाहर का जाप व्यर्थ हो जाता है ।

ओम किसी धर्म या भाषा का नहीं है। ओम सभी धर्मों, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों के लिए सार्वभौमिक प्रतीक है। शब्द 'ओम' (हिंदू धर्म), 'शालोम' (यहूदी धर्म), 'अमीन' (इस्लाम) और 'आमीन' (ईसाई धर्म) का अर्थ एक ही है, सिवाय इसके कि वे भाषाई रूप से भिन्न हैं।

ओम (ॐ) एकाक्षरी मंत्र कहलाता है । ओम शब्द 3 ध्वनियों से बना है अ , उ और म जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश तथा भूलोक , भुवर्लोक और स्वर्गलोक का प्रतीक है । ये आधारभूत ध्वनियाँ हैं । सभी ध्वनियाँ इन तीनों की ही अभिव्यक्ति है ।

अ → आविर्भाव अथवा उत्पत्ति का प्रतीक । इससे पेट के निचले हिस्से में कम्पन होता है

उ → उठना, उड़ना, विकास अथवा पालना का प्रतीक । इससे शरीर के मध्य भाग में कम्पन होता है (ह्रदय और छाती के भाग)

म → मौन, विलीन अथवा विनाश का प्रतीक । इससे शरीर के उपरी भाग में कम्पन होता है (मस्तिष्क , नासिका और कंठ)

दूसरा अर्थ है :

A → Action (आचरण)

U → Utterance (उच्चारण)

M → Mind (मन)

अर्थात जब मेरा उच्चारण मन के प्रमाण है और आचरण उच्चारण के प्रमाण है तब शांति मिलती है । When our mind, words and actions are in unison, we attain peace of mind.

ओम से निकलने वाली ध्वनि शरीर के सभी चक्रो और हर्मोन को प्रभाव करने वाली ग्रंथियों से टकराती है और इन ग्रंथियों के बहाव को नियंत्रित कर बीमारियों को दूर भगाया जा सकता है । जब हम ओम का उच्चारण करते हैं तो ये तीनों ध्वनि ७२००० नाड़ियों को स्पर्श करने की क्षमता रखती है । इसके उच्चारण से शरीर और मन को एकाग्र करने में मदत मिलती है, दिल की धड़कन और रक्त संचार व्यवस्थित होता है जिससे मानसिक बीमारी दूर होती है, काम करने की शक्ति बढ़ जाती है । इसका उच्चारण करने वाला और सुनने वाला दोनों लाभान्वित होता है । जो ओम का उच्चारण करता है उसके आस पास सकारात्मक उर्जा का विकास होता है । वह अपने जीवन में सहज और सकारात्मक बदलाव महसूस करता है । जो भी इस ध्वनि को सुनता है वह परमात्मा से direct जुड़ने लगता है । ओम बोलते समय पूरा ध्यान बोलने पर ही रखें इससे मस्तिष्क में मौन उतर जायेगा । पूरा शरीर थकान व तनाव रहित और शांत होने लगेगा ।

हमारे शरीर में ७२% जल तत्व, १२% पृथ्वी तत्व, ६% वायु तत्व, ४% अग्नि तत्व, ६ % आकाश तत्व का प्रमाण होता है । यदि यह पांचो तत्व संतुलित है तो जीवन में संतुलन बना रहेगा । ओम उच्चारण से हमारे शरीर के पाँचों तत्व और त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) संतुलित हो जाते हैं ।

ओम उच्चारण से शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक तीनों लाभ मिलते हैं :

1) खाली पेट पानी पीने के बाद लंबी सांस के साथ "ओम" का उच्चारण करने से 50 प्रतिशत बीमारी ठीक हो जाता है। पेट की कई समस्याएं खत्म हो जाएंगी क्योंकि यहीं से सभी बीमारियां निकलती हैं। बुद्धि और शरीर को अच्छी मात्रा में ऑक्सीजन मिलेगी क्योंकि जब हम "ओम" ध्वनि करते हैं, तो शुद्ध ऑक्सीजन अंदर जाएगी और खराब को बाहर निकाल देगी। ओम के नियमित जाप से शरीर के विभिन्न प्रकार के रोग दूर होते हैं और मानसिक दबाव, तनाव और अवसाद दूर होते हैं। साथ ही मन शांत हो जाता है और सर्वशक्तिमान से जुड़ जाता है जिससे आत्मा सभी शक्तियों से भरपूर हो जाती है और जीवन शांतिपूर्ण और सुखी हो जाता है।

2) ओम के उच्चारण से चेहरे पर कांति आती है, और आंखों में अनोखी चमक आती है। ओम का मनन आपको नई एनर्जी से भर देता है।

3) ओम के उच्चारण से आप अपने जीवन के उद्देश्य और उसकी प्राप्ति की ओर अग्रसर होते हैं और आपके चेहरे पर मुस्कान बनी रहती है।

4) ओम की उच्चारण से हमारे अंदर सकारात्मकता आती है। यह हमारे अंदर के सारे विषैले तत्वों को दूर करता है।

5) कहा जाता है कि इस पवित्र शब्दांश ओम' का ध्यान हर जरूरत को पूरा करता है, और मुक्ति की ओर ले जाता है।

6) ओम सर्वोच्च होने का प्रतिनिधित्व है। इस एक ध्वनि में भूत, वर्तमान और भविष्य सभी समाहित हैं ।

ओम के पावरफुल वायब्रेशन्स द्वारा विश्व को सकाश देने की सेवा भी कर सकते हैं । (ओ → परमात्मा से) (म → मुझ आत्मा में) सारी शक्तियाँ आ रही है । साथ में स्वमान लेंगे तो डबल पॉवर आ जायेगी, विकर्म भी विनाश हो जायेंगे । ओम उच्चारण से मैं आत्मा अपने प्यारे परमपिता को बुला रही हूँ । ओ परमात्मा मुझ आत्मा के पास आ जाओ और मुझ में सारी शक्तियाँ भर दो जिससे मैं आप समान बन के पूरे विश्व को आप समान बना दूँ मैं आत्मा अपने प्यारे परमात्मा से सारी शक्तियाँ लेकर पूरे विश्व को प्रकाशमय कर रही हूँ।

परमधाम में आत्माओं का झाड़ भी ओम (ॐ) के आकार में है जिसको गीता में एक उलटे वृक्ष से तुलना की गयी है । अ वाला हिस्सा नीचे की ओर करने से यह उल्टा त्रिशूल जैसा दिखाई पड़ता है ।

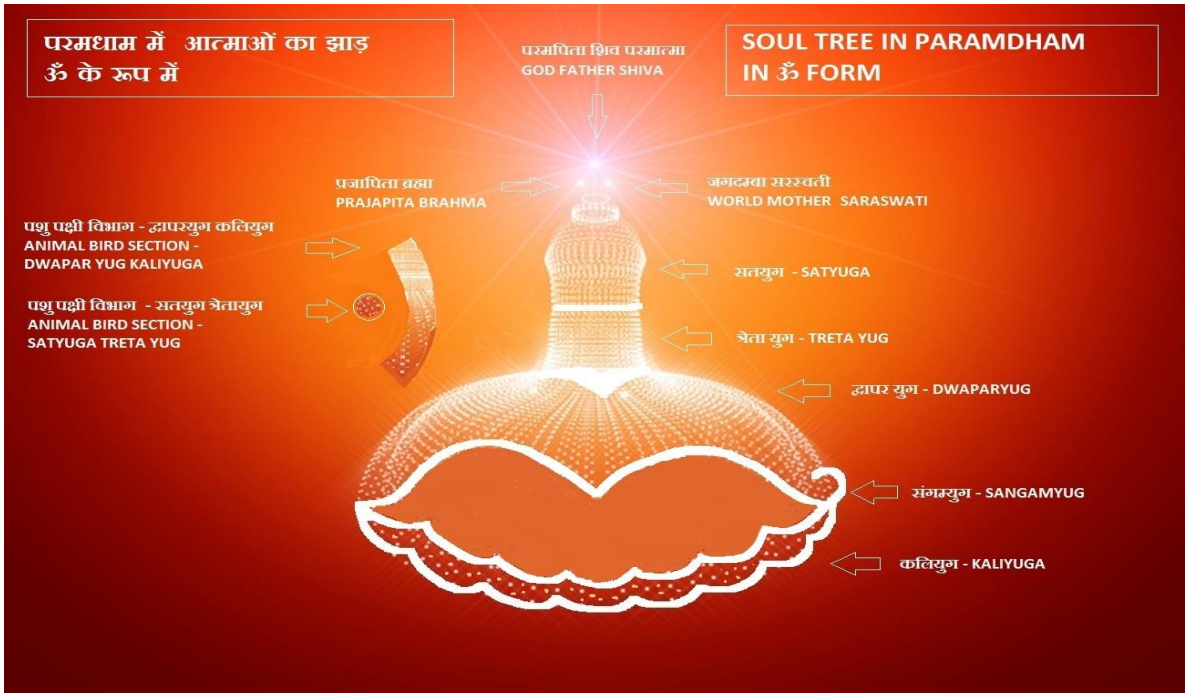

प्रतिदिन सुबह-शाम 5-10 मिनट ओम जाप से घर, कार्यस्थल और प्रकृति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ओम आधार है दिव्य स्नेह, सकारात्मक ऊर्जा, आत्मा और परमात्मा के मिलन का , ओम आधार है उत्साह और एकाग्रता की वृद्धि का तथा विश्व कल्याण का । ओम ध्वनि द्वारा शारीरिक एवं मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है । ओम से सभी समस्याओं का समाधान मिलता है ।

ओम के इन लाभों को ध्यान में रखते हुए, हम सभी शांत चित्त होकर गहरी श्वास लेते और छोड़ते हुए ॐ ध्वनि का उच्चारण मन और दिल से करते हुए स्वयं में और सारे विश्व के वायुमण्डल में शान्ति और शक्ति के प्रकम्पन फैलायें ।

निराकार परमात्मा का सन्देश *सभी धर्मों के लिए आह्वान*	***हे ! मेरे अति मीठे लाडले बच्चों – मैं इस धरा पर अवतरित हो चुका हूँ । वर्तमान समय मैं दुःख, अशांति की दुनिया को परिवर्तन कर सुख-शान्ति व मुक्ति – जीवनमुक्ति का वरदान देने आया हूँ ।*** ***देह सहित देह के सभी धर्म एवं संबंधों को भूल अपने को आत्मा (रूह) समझ मुझ बिंदुस्वरुप परमात्मा परमरूह परमस्त्रोत को याद करने से तुम्हारे पाप नष्ट होकर तुम ऊर्जावान पावन बन जायेंगे व मुक्ति जीवनमुक्ति को प्राप्त** करेंगे । अभी अपने असली घर मुक्तिधाम लौटने का समय है ।

हम सब एक हैं एक के ही हैं । विश्व महापरिवर्तन के पहले अपने रूहानी परमात्म पिता को पहचान उनसे अपना ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त करें ।

अभी नहीं तो कभी नहीं । फिर ना कहना बताया नहीं, पश्चाताप से बचें ।

ओम मण्डली शिवशक्ति अवतार सेवा संस्थान
9425530996 / 7014986512